समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

ISRO की PSLV-C62 मिसाइल मिशन मे 15 सैटेलाइट खो गए, मात्र 'KID' ने भेजा डेटा

Publisher

Published on 15 Jan 2026

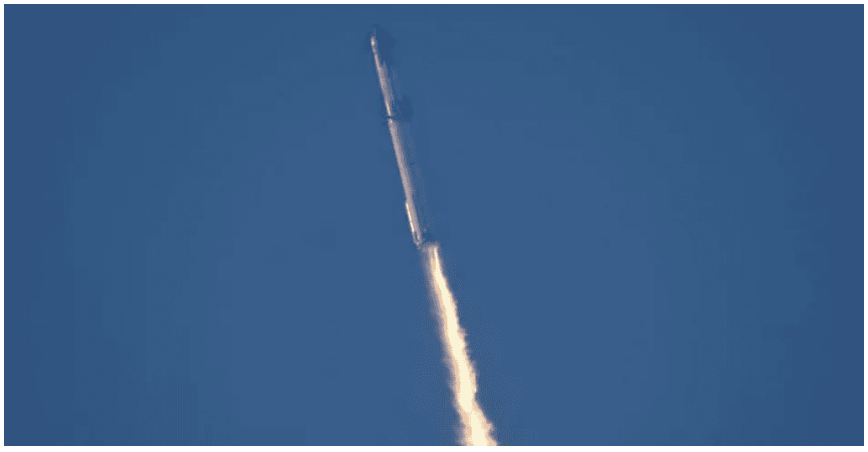

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन **ISRO** के **PSLV-C62 / EOS-N1 मिशन** में एक गंभीर तकनीकी समस्या के कारण **16 मे से 15 सैटेलाइट्स को लक्ष्य कक्षा मे स्थापित नहीं किया जा सका**, लेकिन स्पेन की एक छोटी प्रायोगिक क Capsule *KID* ने डेटा भेजकर मिशन में आशा की किरण दी है।

PSLV-C62 रॉकेट **12 जनवरी 2026** को सुबह **10:18 बजे श्रीहरिकोटा से सफलतापूर्वक लॉन्च** हुआ, जिसका लक्ष्य था **512 किमी की सोलर-सिंक्रोनस ऑर्बिट मे EOS-N1 और सह-यात्रियों को स्थापित करना**।

मिशन मे संमस्या और सैटेलाइट्स का नुकसान

चरण क्रम में तीसरे चरण (PS3) के दौरान **अनियमितता और उड़ान पथ मे विचलन** की वजह से PSLV अपनी निर्धारित कक्षा तक नहीं पहुंच सका। इससे ग्रहीय प्रेक्षण उपग्रह **EOS-N1 (Anvesha)** समेत अन्य सह-यात्री सैटेलाइट्स कक्षा में प्रवेश नहीं कर पाए और वे अंतरिक्ष मलबे के रूप में फैल गए।

इन खो गए उपग्रहों में शामिल हैं:

- DRDO का रणनीतिक "Anvesha" उपग्रह
- **AayulSAT**, भारत का पहला इन-ऑर्बिट रिफ्यूलिंग सैटेलाइट
- **CGUSAT**, आपात संचार और आपदा प्रबंधन हेतु छात्र-निर्मित सैटेलाइट
- थाईलैंड-यूके सहयोगी अर्थ ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट समेत कई अंतरराष्ट्रीय और शैक्षणिक परियोजनाएँ।

ISRO के अनुसार, इस मिशन में [illegible] के कारण लक्ष्य कक्षा तक पहुंचने में असफलता हुई है, और विस्तृत जांच जारी है।

'KID' ने दी कुछ सफलता की झलक

हालांकि प्रमुख उपग्रह ऑर्बिट में नहीं पहुंचे, लेकिन स्पेन की स्टार्ट-अप **Orbital Paradigm** द्वारा विकसित *Kestrel Initial Demonstrator (KID)* नामक 25 किग्रा भारी कैप्सूल ने मुश्किल हालात के बावजूद अलग होना, सक्रिय होना और डेटा प्रसारित करना संभव किया। कंपनी के अनुसार *KID* ने रॉकेट से अलग होने के बाद लगभग **3 मिनट तक डेटा भेजा**।

स्टार्ट-अप का यह दावा मिशन में एक सकारात्मक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यह तकनीक भविष्य के [illegible] और पुर्नउपयोग प्रणालियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान कर सकती है।

क्या आगे होगा ?

यह ISRO के प्रतिष्ठित *Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV)* कार्यक्रम की दुर्लभ विफलताओं में से एक है, और यह [illegible] *PSLV* में समस्याओं की तरफ इशारा करता है — पहले भी **PSLV-C61 मिशन** में तकनीकी बाधा का सामना करना पड़ा था।

ISRO ने कहा है कि वह सभी उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर रहा है और भविष्य के मिशनों को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सुधार करेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.